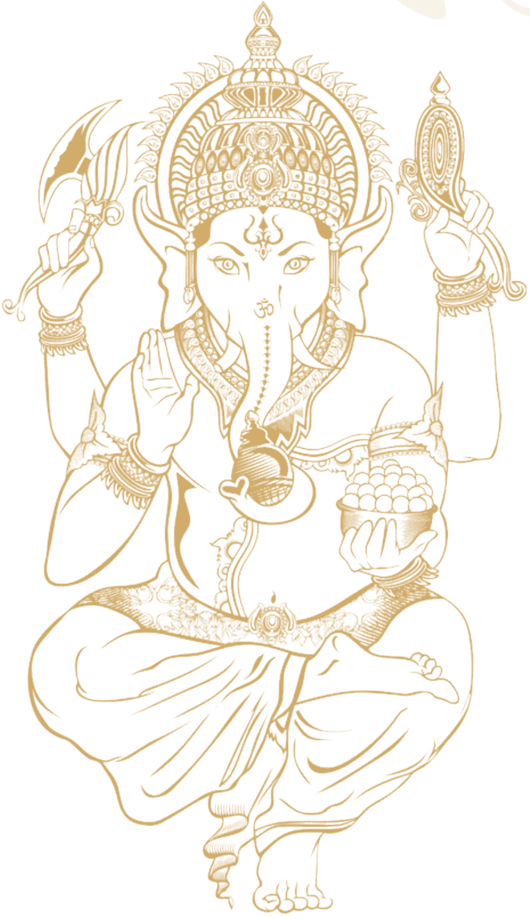

???? ??????

27 Aug 1996

08:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121168702

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **27/08/1996**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **08:00:00 घंटे**
इष्ट	: 05:08:16 घटी
स्थान	: **Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 07:38:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:01:29 घंटे
साम्पातिक काल	: 06:01:18 घंटे
सूर्योदय	: 05:56:41 घंटे
सूर्यास्त	: 18:47:58 घंटे
दिनमान	: 12:51:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 10:17:31 सिंह
लग्न के अंश	: 06:28:37 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कन्या - बुध
राशि-स्वामी	: **मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
योग	: शोभन
करण	: गर
गण	: देव
योनि	: वानर
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:28:37	318:06:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			सिंह	10:17:31	00:57:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	17:04:44	15:07:33	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	27:28:25	00:38:31	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	06:47:42	00:39:30	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु	व		धनु	14:05:51	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मिथु	24:40:37	01:00:19	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मीन	12:21:15	00:03:34	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:35:54	00:04:34	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:35:54	00:04:34	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:34:34	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:35:16	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:35:58	00:00:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	06:29:19	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:41

लग्न-चलित

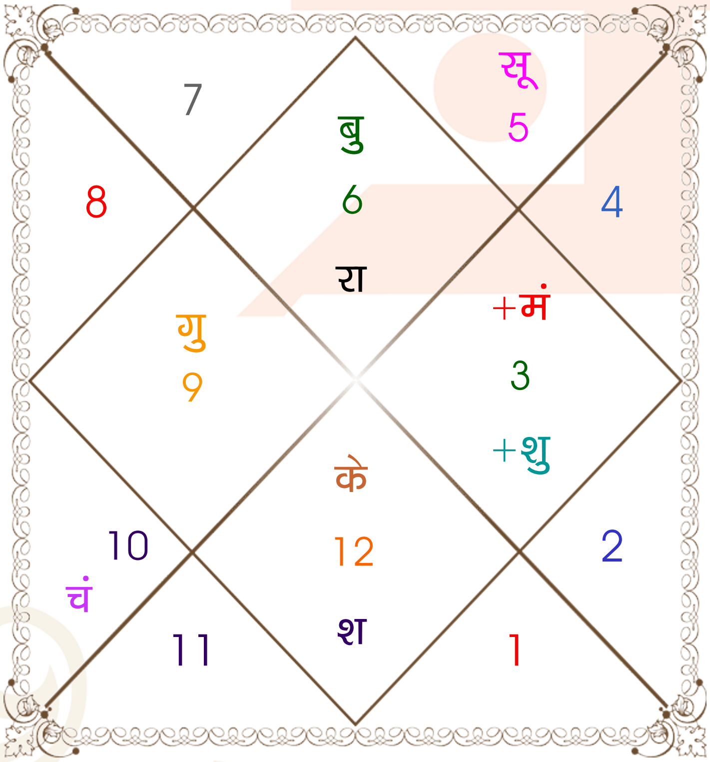

चन्द्र कुंडली

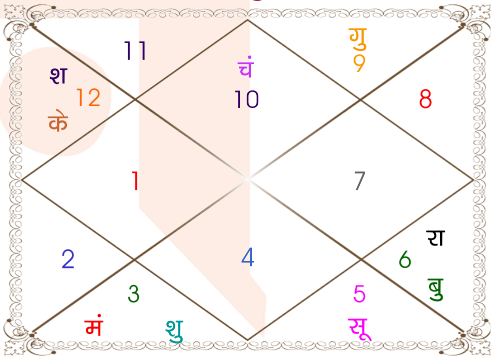

नवमांश कुंडली

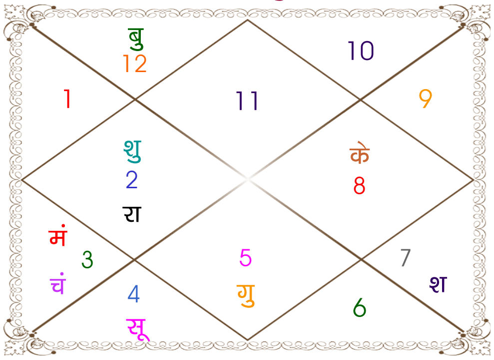

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 8 मास 8 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
27/08/1996	**06/05/2001**	**06/05/2008**	**06/05/2026**	**06/05/2042**
06/05/2001	**06/05/2008**	**06/05/2026**	**06/05/2042**	**06/05/2061**
00/00/0000	मंगल 02/10/2001	राहु 17/01/2011	गुरु 24/06/2028	शनि 09/05/2045
00/00/0000	राहु 21/10/2002	गुरु 12/06/2013	शनि 05/01/2031	बुध 17/01/2048
00/00/0000	गुरु 27/09/2003	शनि 18/04/2016	बुध 12/04/2033	केतु 25/02/2049
27/08/1996	शनि 05/11/2004	बुध 05/11/2018	केतु 19/03/2034	शुक्र 27/04/2052
शनि 06/03/1997	बुध 02/11/2005	केतु 24/11/2019	शुक्र 17/11/2036	सूर्य 09/04/2053
बुध 06/08/1998	केतु 31/03/2006	शुक्र 23/11/2022	सूर्य 05/09/2037	चंद्र 08/11/2054
केतु 07/03/1999	शुक्र 31/05/2007	सूर्य 18/10/2023	चंद्र 05/01/2039	मंगल 18/12/2055
शुक्र 05/11/2000	सूर्य 06/10/2007	चंद्र 18/04/2025	मंगल 12/12/2039	राहु 24/10/2058
सूर्य 06/05/2001	चंद्र 06/05/2008	मंगल 06/05/2026	राहु 06/05/2042	गुरु 06/05/2061

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
06/05/2061	**06/05/2078**	**06/05/2085**	**07/05/2105**	**08/05/2111**
06/05/2078	**06/05/2085**	**07/05/2105**	**08/05/2111**	**00/00/0000**
बुध 03/10/2063	केतु 03/10/2078	शुक्र 05/09/2088	सूर्य 25/08/2105	चंद्र 07/03/2112
केतु 29/09/2064	शुक्र 03/12/2079	सूर्य 05/09/2089	चंद्र 23/02/2106	मंगल 06/10/2112
शुक्र 31/07/2067	सूर्य 09/04/2080	चंद्र 07/05/2091	मंगल 01/07/2106	राहु 07/04/2114
सूर्य 05/06/2068	चंद्र 08/11/2080	मंगल 06/07/2092	राहु 26/05/2107	गुरु 07/08/2115
चंद्र 05/11/2069	मंगल 06/04/2081	राहु 07/07/2095	गुरु 13/03/2108	शनि 28/08/2116
मंगल 02/11/2070	राहु 24/04/2082	गुरु 07/03/2098	शनि 23/02/2109	00/00/0000
राहु 21/05/2073	गुरु 31/03/2083	शनि 07/05/2101	बुध 31/12/2109	00/00/0000
गुरु 27/08/2075	शनि 09/05/2084	बुध 07/03/2104	केतु 07/05/2110	00/00/0000
शनि 06/05/2078	बुध 06/05/2085	केतु 07/05/2105	शुक्र 08/05/2111	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 8 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।